बाबा हो बाबा की लिख ल कपार में

बाबा हो बाबा की,
लिख ल कपार में,
सहब कतेक दुख,
हम संसार में,
डुइब जेतई दुनिया हमर,
नोरक धार में,
बाबा हौ बाबा की,
लिख ल कपार मे।bd।

दोष हमर की भेलई,
किछु न जनै छी,
कोन जनम के,
पाप कटे छी,
किरपा आँहा से बाबा,
मांगे छी उधार में,
बाबा हौ बाबा की,
लिख ल कपार मे।bd।

आब ने मनोरथ कोनो,
ने कोनो सेहंता,
दुनिया में एलो कोन,
लागल अदीनता,
ओझरायल प्राण हमर,
बीपत के जल में,
बाबा हौ बाबा की,
लिख ल कपार मे।bd।

'सच्चिदानंद' ई,
वेदना लिखइए,
पुत्र तोहर ई बाबा,
विनती गबइए,
तेजब प्राण बाबा,
तोहर दरबार में,
बाबा हौ बाबा की,
लिख ल कपार मे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाबा हो बाबा की,
लिख ल कपार में,
सहब कतेक दुख,
हम संसार में,
डुइब जेतई दुनिया हमर,
नोरक धार में,
बाबा हौ बाबा की,
लिख ल कपार मे।bd।

गायक – अरविन्द सिंह।
प्रेषक – हेमंत झा प्यासा।
9831228059

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com